- 9 लीटर से अधिक दूध देने वाली गाय के लिए प्रति तीन किलो दूध पर एक किलो दाना तथा भैंस में ढ़ाई किलो दूध पर एक किलो दाना मिश्रण देना चाहिए।
- सूखा/हरा चारा को कुट्टी/काटकर खिलाऐं। इसी प्रकार दाना का दर्रा बना कर दें ताकि चारा, दाना पचने में आसानी हो।
- आहार में अचानक बदलाव न लाऐं। नया आहार देते समय शुरू में उसे पुराने आहार के साथ थोड़ा–थोड़ा मिलाकर दें ताकि पशु को धीरे–धीरे नये आहार की आदत पड़ जाये।
- पशु को आहार में प्रतिदिन लगभग 50 ग्राम खनिज मिश्रण तथा लगभग 20–30 ग्राम नमक देना चाहिए। साथ ही समय–समय पर पशु चिकित्सक की सलाह से कृमिनाशक दवा का प्रयोग करना चाहिए।
- नर बछड़ों को जनन क्रिया से रहित करने के लिए 8–10 सप्ताह की उम्र में उनका बधियाकरन करा देना चाहिए।
- कभी–कभी मादा की मृत्यु अथवा अचानक बीमार होने की स्थिति में खीस उपलब्ध न हो तो किसी और पशु के खीस का प्रयोग किया जा सकता है।

- अंतः परजीवी से बचाव हेतु हर तीन माह में एक बार पशु चिकित्सक की सलाह से दवा देनी चाहिए तथा बाह्य परजीवी से बचाव हेतु बाड़े की सफाई पर विशेष ध्यान देना चाहिए एवं पशु चिकित्सक के सलाह के अनुसार उपचार करना चाहिए।
- पशु का दूध निकालने का सबसे सही तरीका फुल हस्तविधि है।

- पशु की आयु का अनुमान दाँतों द्वारा ही लगाना चाहिए। सींग द्वारा आयु ज्ञात करने का तरीका सही नहीं है।

तीन साल की गाय के दांत

लाभदायक पशुपालन के लिए महत्वपूर्ण बातें

डॉ. सरिता
विस्तार शिक्षा निदेशालय

लाला लाजपत राय पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय,
हिसार–125 004

निर्देशन : डॉ. आर. एस. श्योकंद
निदेशक विस्तार शिक्षा निदेशालय